हरिहर काका

पूर्व वर्षों के प्रश्नोत्तर
2016
निबंधात्मक प्रश्न

Question 1.

अंत में हरिहर काका द्वारा ज़मीन के बारे में लिया जाने वाला निर्णय क्या था और वह परिवार के मूल्यों को किस परिस्थिति में प्रभावित करता है और कैसे? यह स्थिति हर व्यक्ति को क्या संदेश प्रदान करती है?

Answer:

गाँव की ठाकुरबाड़ी तथा परिवार के सदस्यों से क्रूरतापूर्ण व्यवहार पाकर अंत में हरिहर काका ने ज़मीन को अपने पास ही रखने का निर्णय लिया। उन्होंने अपनी देखभाल करने के लिए एक सेवक रख लिया। उनका यह निर्णय परिवार को सामाजिक तथा आर्थिक प्रतिष्ठा के हनन के रूप में प्रभावित करता है। परिवार के वृद्ध व्यक्ति के अलग रहने की स्थिति को समाज में सम्मान की दृष्टि से नहीं देखा जाता। परिवार की कलहपूर्ण स्थिति सबके समक्ष आ जाती है तथा गाँव, समाज को यह पता चल जाता है कि इस घर-परिवार में रिश्तों तथा मानवीय भावनाओं का कोई मूल्य नहीं है। आर्थिक रूप से भी परिवार प्रभावित होता है क्योंकि संपत्ति छोटे-छोटे भागों में विभक्त होने लगती है।

यह स्थिति हर व्यक्ति को यह संदेश प्रदान करती है कि परिवार जैसी सुदृढ़ संस्था का विघटन सदैव हानिकारक होता है। अतः पारिवारिक मूल्यों की रक्षा करनी आवश्यक है। घर-परिवार में वयोवृद्धों को पर्याप्त सम्मान, सुरक्षा तथा प्रेम मिले तो संबंध तथा संपत्ति दोनों के साथ प्रतिष्ठा भी सुरक्षित रहेगी।

Question 2.

संयुक्त परिवार में सुखपूर्वक रहने के लिए आप किन-किन जीवन-मूल्यों को आवश्यक मानते हैं और क्यों? 'हरिहर काका' पाठ के आलोक में उत्तर दीजिए।

Answer:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

संयुक्त परिवार भारतीय संस्कृति की विभिन्न परंपराओं का एक महत्त्वपूर्ण अंग रहा है। ऐसे परिवार में सदस्यों की संख्या अधिक होती है तथा आयु-वर्ग भिन्न-भिन्न होते हैं। संयुक्त परिवार में सुखपूर्वक रहने के लिए आवश्यक है कि सभी सदस्य आपसी प्रेम, स्नेह तथा बड़ों को आदर देना जैसे मूल्यों को सर्वोपरि समझें। उनमें एक-दूसरे के सुख-दुख को समझने तथा विपरीत परिस्थितियों में एक-दूसरे का साथ निभाने की प्रवृत्ति होनी चाहिए। घर के वयोवृद्ध व्यक्तियों के प्रति उपेक्षा तथा अनादर जैसी नकारात्मक भावनाएँ नहीं होनी चाहिए। सहनशीलता तथा सहयोग जैसे मानवीय मूल्यों को अपनाकर ही संयुक्त परिवार में रहा जा सकता, न कि निजी स्वार्थ, धन-लोलुपता तथा अहंकारी मनोवृत्ति को अपनाकर। हरिहर काका का संयुक्त परिवार तभी बिखरा, जब परिवार के सदस्यों को संपत्ति के लालच ने घेर लिया। स्वार्थवश पहले तो काका की पूरी आवभगत की गई तथा मान-सम्मान भी दिया गया, परंतु जैसे ही भाईयों के स्वार्थ-सिद्धि के मार्ग में बाधा आई, उन्होंने अपने नकली मुखौटे उतार दिए। सहनशीलता, प्रेम तथा आदर समाप्त हो गए और काका उपेक्षा के शिकार बन गए। इसका लाभ महंत, नेता आदि ने उठाया परंतु जब उनका भी स्वार्थ सिद्ध नहीं हुआ तो काका को सभी पक्षों ने दुत्कार दिया और वे अकेले रहने को विवश हो गए। उनके संयुक्त परिवार का विघटन हो गया।

2015
निबंधात्मक प्रश्न

Question 3.

ठाकुरबारी सदृश संस्थाओं का ग्रामीण समाज के प्रति कर्तव्यों तथा भूमिका के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

ठाकुरबारी सदृश संस्थाओं को ग्रामीण समाज के प्रति एक महत्त्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन करना चाहिए। किसी भी संस्था का यह दायित्व है कि वह समाज में व्याप्त स्वार्थ की भावना को दूर कर जन-जन में परोपकार का भाव जगाए। समाज में व्याप्त अनाचार, अराजकता, अन्याय और आपाधापी को दूर कर जन-जन में संतोष एवं धैर्य के भाव का प्रसार करें। कहानी 'हरिहर काका' में भी गाँव के लोगों की ठाकुरबारी पर गहरी आस्था थी। उनके सभी शुभ कार्यों का आरम्भ यदि ठाकुरबारी से होता था, तो वहीं दुखी मन को आश्रय देने का स्थान भी उन्हें ठाकुर द्वार ही दिखाई देता था। पर आस्था और विश्वास के इस मंदिर ने हरिहर काका सदृश लोगों के साथ विश्वासघात करके, उनके साथ दुर्व्यवहार करके ये दिखा दिया कि बदलते परिवेश के साथ-साथ धार्मिक संस्थाएँ भी भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं। ऐसे में ठाकुरबारी के महंत एवं तथा-कथित साधु समाज के प्रति जन-मानस में विरक्ति और घृणा का भाव ही पैदा होता है क्योंकि समाज उनसे अच्छे और आदर्श आचरण की अपेक्षा करता है। लोभ-लालच और षड्यन्त्रों में फँसे साधु-संतों के इस आचरण से युवा पीढ़ी पर बुरा प्रभाव पड़ता है। धार्मिक संस्थाओं और समाज की उच्च आदर्शवादिता से उनका विश्वास उठने लगता है जो किसी भी समाज के लिए हितकारी नहीं है।

Question 4.

महंत द्वारा हरिहर काका का अपहरण महंत के चरित्र की किस सच्चाई को सामने लाता है तथा आपके मन में इससे ठाकुरबारी जैसी संस्थाओं के प्रति कैसी धारणा बनती है? बताइए।

Answer:

महंत द्वारा हरिहर काका का अपरण करवाना उसकी दबंगाई, मौकापरस्ती, लालची, और अनैतिक कार्य करने के लिए तत्पर रहने वाले व्यक्ति की छवि हमारे सामने उभरती है। जो साधु के वेश में ठग है। ऐसे धूर्त लोगों को देख कर, हमारे मन में ठाकुरबारी सदृश संस्थाओं के लिए यही धारणा बनती है कि बदलते परिवेश के साथ ये भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं। अब यहाँ जाकर मनुष्य की आत्मा धैर्य, सुख, शांति प्राप्त नहीं करती। वह इस बात से भयभीत रहती है कि कहीं हरिहर काका जैसी स्थिति हमारी भी न हो जाए। लोभ-लालच और षड्यंत्रों में फँसे साधु-संतों के आचरण से युवा पीढ़ी पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। धार्मिक संस्थाओं और समाज की उच्च आदर्शवादिता से उनका विश्वास उठने लगता है जो किसी भी समाज के लिए हितकारी नहीं है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2014
निबंधात्मक प्रश्न

Question 5.

ठाकुरबारी का काम लोगों के आस्था और विश्वास की रक्षा करता है, परंतु वहाँ के महंत व पुजारी धन लोलुपता के चक्कर में आकर अन्याय में साझीदार बनते हैं उनकी इस लिप्सा पर टिप्पणी करते हुए बचने के उपाय बताइए।

Answer:

ठाकुरबारी सदृश संस्थाओं का यह दायित्व है कि वह समाज में व्याप्त स्वार्थ की भावना को दूर कर जन-जन में परोपकार का भाव जगाए। समाज में व्याप्त अनाचार अराजकता, अन्याय और आपाधापी को दूर कर जन-मन में संतोष एवं धैर्य के भाव का प्रसार करें। कहानी 'हरिहर काका' में भी गाँव के लोगों की ठाकुरबारी पर गहरी आस्था थी पर आस्था और विश्वास के इस मंदिर ने 'हरिहर काका' सदृश लोगों के साथ विश्वासघात करके, उनके साथ दुर्व्यवहार करके यह दिखा दिया कि बदलते परिवेश के साथ-साथ धार्मिक संस्थाएँ भी भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं लोभ-लालच और षड्यंत्रों में फँसे महंत व पुजारी धार्मिक संस्थाओं व समाज का आदर्श नहीं हो सकते। एक लाचार असहाय, दुखी बुजुर्ग को जबरन उठाना, उसकी ज़मीन-जायदाद को हड़पने का प्रयास करना, मारना-पीटना, बंदी बनाना महंत व पुजारियों द्वारा किए गए ऐसे कुकृत्य थे जो धार्मिक संस्थाओं से लोगों के विश्वास को डगमगाने के लिए पर्याप्त हैं।

आज धार्मिक संस्थाओं में व्याप्त धन-लिप्सा को रोकने के उपाय खोजने की आवश्यकता है, ताकि 'हरिहर काका' की भाँति फिर कोई और इनके चंगुल में न फँसे। इसके लिए शिक्षा के प्रचार की आवश्यकता है। शिक्षा द्वारा लोगों को जागरूक करके अंधविश्वासों एवं पाखंडों से मुक्ति दिलवायी जा सकती है। चोरी-ठगी, धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ कड़े कानून बनाने की आवश्यकता है।

2013
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 6.

हरिहर काका पाठ के किस संदर्भ ने आपके मन को अधिक प्रभावित किया और क्यों? अपने शब्दों में लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

यह सत्य है कि हरिहर काका पाठ के कई संदर्भ ऐसे हैं जो पाठकों के मन को छू लेते हैं, परंतु अपने सगे भाइयों के द्वारा जब हरिहर 'काका' पर आक्रमण किया जाता है, तो वह अंश 'क्रूरता' की सीमा को पार कर जाता है। आज समाज में मानवीय मूल्य तथा पारिवारिक मूल्य धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। ज़्यादातर लोग अपने स्वार्थ के लिए रिश्ते-नाते निभाते हैं। यह सच है कि सुख-दुख में रिश्ते ही काम आते हैं, परंतु यह अत्यंत दुख की बात है कि आज के इस बदलते दौर में रिश्तों पर स्वार्थ की भावना हावी होती जा रही है। रिश्तों में प्यार व बंधुत्व समाप्त हो गया है। इस कहानी में भी अगर पुलिस नहीं आती तो परिवार वाले हरिहर काका की हत्या कर देते। आज रिश्तों से अधिक महत्त्व धन-दौलत को दिया जा रहा है।

Question 7.

महंत जी ने हरिहर काका को एकांत कमरे में बैठाकर प्रेम से क्या समझाया? अपने शब्दों में लिखिए।

Answer:

महंत जी ने एकांत कमरे में हरिहर काका को बैठाकर यह समझाया कि ये रिश्ते-नाते स्वार्थ पर टिके होते हैं। महंत ने हरिहर काका की खूब सेवा की, खूब आवभगत की। महंत ने विभिन्न प्रकार का लालच देकर काका से ज़मीन हथियाने के लिए विभिन्न हथकंडे अपनाए, ताकि काका अपनी ज़मीन ठाकुरवारी के नाम कर दें। महंत ने काका से कहा कि ठाकुरबारी के नाम ज़मीन करने से उन्हें पुण्य मिलेगा और वे सीधा स्वर्ग सिधारेंगे। जब यह ठाकुरबारी रहेगी तब तक आपका नाम भी इसके साथ जुड़ा होगा और इसका फल तुम्हें अगले जन्मों तक मिलेगा इस तरह से महंत ने काका से ज़बरदस्ती कागज़ पर अंगूठे के निशान ले लिए।

Question 8.

हरिहर काका के साथ उनके भाइयों तथा ठाकुरवाड़ी के महंत ने कैसा व्यवहार किया? क्या आप इसे उचित मानते हैं। तर्क सहित लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

काका के साथ उनके भाइयों ने तथा ठाकुरवारी के महंत ने बहुत बुरा व्यवहार किया। उनकी नज़र काका की ज़मीन पर थी। पहले तो उन दोनों ने काका की देखभाल की, काका की आवभगत की, परंतु उन्हें जब यह यकीन हो गया कि काका जीते-जी अपनी ज़मीन किसी के नाम नहीं करेंगे, तो वे दोनों काका की जान के दुश्मन बन गए।

ठाकुरवारी के महंत ने काका को मारा और ज़बरदस्ती सादे तथा कुछ लिखे हुए कागज़ों पर उनके अंगूठे के निशान ले लिए। इसी प्रकार काका के भाइयों व उनकी पत्नियों ने काका के साथ हाथापाई की। अगर पुलिस नहीं आती, तो परिवार वाले काका की हत्या भी कर देते। अतः यह स्पष्ट कहा जा सकता है। कि उन दोनों का ही व्यवहार क्रूर व संवेदनहीन था और काका के प्रति उनका व्यवहार निंदनीय, अमानवीय व अनुचित था।

निबंधात्मक प्रश्न

Question 9.

प्राचीन एवं वर्तमान समय में महंत पुजारी और साधुओं की क्या मानसिकता रही है? अपने शब्दों में उल्लेख कीजिए।

Answer:

इस पाठ के अनुसार यह कहा गया है कि ये महंत या पुजारी अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए लोगों में अंधविश्वास फैलाते हैं। वे लालच में आकर अपराधियों के समान व्यवहार भी करने लगते हैं। वस्तुतः वे अत्यंत आलसी व लोभी प्रवृत्ति के होते हैं। इन्हें सिर्फ स्वादिष्ट भोजन पाने के लिए और 'दान' लेने की इच्छा होती है। वे मेहनत करना ही नहीं चाहते। 'ईश्वर भक्ति' के नाम पर लोगों के साथ छल-कपट करते हैं, क्रूर व्यवहार करते हैं, धर्म के नाम पर तो कभी स्वर्ग-नरक के नाम पर लोगों को डरा-धमकाकर अपना स्वार्थ सिद्ध करते हैं। इसीलिए गाँव से अधिक ठाकुरबारी और संतों का भला हुआ।

Question 10.

ठाकुरबारी के विषय में लेखक के क्या विचार थे?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

ठाकुरबारी के विषय में लेखक का यह विचार था कि यह अंधविश्वास व पाखंड का स्थान है। एक समय ऐसा था जब ठाकुरबारी के संतों-महंतों को माँगकर खाना पड़ता था, लेकिन आबादी बढ़ते ही 'ठाकुरबारी' का रूप बदल गया। गाँव के लोगों का मानना था कि उनके सभी काम ठाकुर जी की कृपा से ही होते हैं। पुत्र का जन्म, मुकदमें की जीत, लड़की की शादी, लड़के की नौकरी आदि पर गाँव वाले ठाकुर जी पर रुपये, जेवर, ज़मीन आदि चढ़ावे के रूप में देने लगे। गाँव वालों में ठाकुर जी के प्रति अपार श्रद्धा थी जिसे लेखक ने धार्मिक अंधविश्वास व पाखंड के रूप में प्रकट किया है।

निबंधात्मक प्रश्न

Question 11.

हरिहर काका के भाइयों ने उनके साथ जो व्यवहार किया वह कहाँ तक उचित था? उन्होंने ऐसा क्यों किया? इस संबंध में आप अपने विचार प्रकट कीजिए।

Answer:

हरिहर काका के भाइयों ने हरिहर काका के साथ बहुत अनुचित व्यवहार किया। हरिहर काका के भाइयों ने पहले तो उनकी खूब देखभाल की, परंतु धीरे-धीरे उनकी पत्नियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। वे लोग बड़े स्वार्थी थे। हरिहर काका के पास पंद्रह बीघे ज़मीन थी जिसे उनके भाई उनसे हड़पना चाहते थे। जब भाइयों ने ज़मीन अपने नाम करने के लिए कहा, तो हरिहर काका ने इंकार कर दिया। क्रोध में आकर भाइयों ने हरिहर काका को बुरी तरह मारा-पीटा और जान से मारने की धमकी भी दी। यदि पुलिस नहीं आई होती, तो उनके भाई हरिहर काका की हत्या कर देते इस बात से यह स्पष्ट हो जाता है कि समाज में पारिवारिक मूल्य एवं मानवीय मूल्य समाप्त होते जा रहे हैं। आज के युग में रिश्तों पर स्वार्थ हावी होता जा रहा है। रिश्तों में प्यार व बंधुत्व की भावना खत्म हो रही है। लोग संवेदनहीन व यांत्रिक होते जा रहे हैं। समाज में मूल्यों का पतन हो रहा है। यह गंभीर चिंता की बात है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2012
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 12.

हरिहर काका ने चौक में थाली उठाकर क्यों फेंक दी?

Answer:

हरिहर काका अपने घर के दालान पर बीमार पड़े थे, परंतु भाई के परिवार वाले उनका ध्यान नहीं रख रहे थे। हरिहर काका बड़े दुखी थे इसी बीच शहर में क्लर्की करने वाले भतीजे का एक मित्र गाँव में आया। घर में अनेक प्रकार के खाने बनाए गए थे, परंतु घरवालों ने हरिहर काका के सामने रूखा-सूखा खाना परोसा। इसी कारण हरिहर काका ने थाली उठाकर आँगन में फेंक दी।

Question 13.

हरिहर काका के परिवार का स्वरूप कैसा था?

Answer:

हरिहर काका के परिवार में हरिहर काका की दो पत्नियाँ स्वर्ग सिधार गईं थीं। हरिहर काका चार भाई थे। हरिहर काका निःसंतान थे, परंतु उनके भाइयों का परिवार भरा-पूरा था। हरिहर काका के भाइयों के बाल-बच्चे थे। बड़े भाई व छोटे भाई के बच्चे सयाने हो गए थे। दो की शादियाँ हो गई थीं। उनमें से एक पढ़-लिखकर शहर के किसी दफ़्तर में क्लर्की करने लगा था। भाइयों में हरिहर काका का नंबर दूसरा था। बुढ़ापे में हरिहर काका प्रेम व इत्मीनान से अपने भाइयों के परिवार के साथ रहते थे।

Question 14.

हरिहर काका को पुलिस सुरक्षा क्यों प्रदान की गई?

Answer:

हरिहर काका पर दो बार आक्रमण किया गया था, जिसमें बाल-बाल उनकी जान बची। एक बार ठाकुरबारी के साधु-संतों ने हरिहर काका का अपहरण कर लिया था और जान से मारने की कोशिश की। इसी प्रकार अपनी ज़मीन भाइयों के नाम नहीं करने पर उनके सगे भाइयों ने उन्हें कह दिया कि वे हरिहर को मारकर ज़मीन में गाड़ देंगे। अगर समय पर पुलिस नहीं आती, तो शायद हरिहर काका की जान भी जा सकती थी। हरिहर काका की जान की सुरक्षा व अपहरण से बचाने के लिए उन्हें पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई।

Question 15.

गाँव के आस-पास के इलाके में ठाकुरबाड़ी की प्रसिद्धि के कारण थे?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

गाँव के आस-पास के इलाके में ठाकुरबारी के प्रसिद्ध होने के कई कारण हैं। गाँव के किसी भी पर्व त्योहार की शुरूआत ठाकुरबारी से ही होती है। होली में सबसे पहले गुलाल ठाकुर जी को ही चढ़ाया जाता है। दिवाली का पहला दीप ठाकुरबारी में ही जलता है। जन्म, शादी और जनेऊ के अवसर पर अन्न, वस्त्र की पहली भेंट ठाकुर जी को चढ़ाई जाती है। लोगों का मानना था कि ठाकुरबारी में प्रवेश करते ही उनके सारे पाप धुल जाते हैं, वे सभी पवित्र हो जाते हैं। पहले लोग मनौती मनाते कि पुत्र हो, मुकदमें में जीत हो, लड़की की शादी अच्छे घर में हो, लड़के को नौकरी मिल जाए और फिर इसमें सफलता मिलने का श्रेय ठाकुर जी को दिया जाता था। इस प्रकार ठाकुरबारी की प्रसिद्धि बढ़ती गई और बाद में तो गाँव की पहचान भी ठाकुरबारी से होने लगी।

Question 16.

हरिहर काका की दयनीय स्थिति का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

Answer:

हरिहर काका की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। इस भरी दुनिया में वे अकेले रहने लगे। उनके मन में भय, उदासी, हताशा व निराशा ने घर कर लिया था। उनका एक बार अपहरण भी कर लिया गया था। उनके भाइयों ने और ठाकुरबारी के साधु, संतों ने उन्हें बुरी तरह मारा-पीटा भी था। उनको जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। इसके अतिरिक्त उनकी दो-दो पत्नियाँ स्वर्ग सिधार चुकी थी। वे निःसंतान थे। इस भरी दुनिया में वे अकेले रहने पर विवश थे। वे मज़बूर व लाचार थे, असहाय थे।

Question 17.

हरिहर काका ने सबसे बात करना बंद क्यों कर दिया था?

Answer:

हरिहर काका के साथ उनके भाइयों ने और परिवार के अन्य सदस्यों ने दुर्व्यवहार किया था, हरिहर काका को जान से मारने की कोशिश की थी। हरिहर काका को जान से मारने की कोशिश की थी। हरिहर काका को जिस महंत पर विश्वास था उसने भी काका के विश्वास को तोड़ा था। हरिहर काका पूरी तरह सदमें में थे। उनके मन में रिश्तों के प्रति कड़ुवाहट और अविश्वास की भावना घर कर गई थी इसीलिए काका ने सबसे बात करना बंद कर दिया था। वे उदास परेशान व निराश रहने लगे थे।

Question 18.

महंत ने क्या कहकर हरिहर काका के मन में उनके परिवार के प्रति ज़हर भरा?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

हरिहर काका के साथ जब उनके भाइयों के परिवारवालों से कहासुनी हुई थी तो महंत वहीं विराजमान थे। महंत जी ने इस अवसर का लाभ उठाने के लिए हरिहर काका के कानों में उनके भाइयों के प्रति ज़हर घोलते हुए कहा कि ये रिश्ते नाते झूठे होते हैं, सब स्वार्थ के कारण बँधे होते हैं। यहाँ कोई किसी का नहीं है। सब माया का बंधन है। पत्नी बेटे, भाई-बंधु सब स्वार्थ के साथी हैं। जिस दिन उनका स्वार्थ पूरा नहीं होगा, वही तुम्हें पूछेंगे तक नहीं। वे तुमसे बोलना भी बंद कर देंगे। खून का रिश्ता भी खत्म हो जाएगा। इन्हीं बातों के द्वारा महंत ने हरिहर काका के मन में उनके भाइयों के प्रति नफ़रत भरने का प्रयास किया।

Question 19.

ठाकुरबारी के विषय में लोगों के क्या विचार थे?

Answer:

ठाकुरबारी के विषय में लोगों के मन में बहुत अंधविश्वास भरा था। लोगों को लगता था कि अगर उनके घर पुत्र का जन्म हुआ है तो ठाकुर जी की कृपा से। अगर मुकदमों में जीत हुई है तो ठाकुर जी की कृपा से। अगर उनके खेतों में अच्छी फ़सल आई है तो वह भी ठाकुर जी की कृपा से ही आई है। अगर 'लड़की' की शादी तय हुई है तो वह ठाकुर जी की कृपा से ही तय हुई है। लोगों के खलिहान में फ़सल आने पर प्रथम फ़सल ठाकुर जी के नाम ही कर दिया जाता था।

निबंधात्मक प्रश्न

Question 20.

'हरिहर काका' की किन्हीं चार चारित्रिक विशेषताओं पर उदाहरण सहित अपने शब्दों में प्रकाश डालिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

हरिहर काका की चारित्रिक गुणों को निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत वर्णित किया जा सकता है।

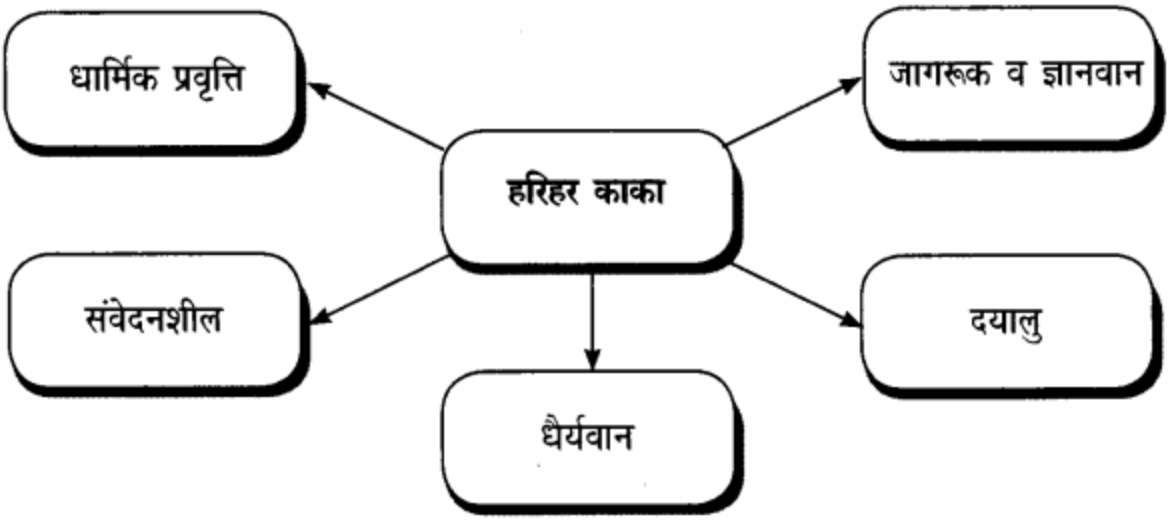

(*i*) **धार्मिक प्रवृत्ति :** हरिहर काका के मन में ठाकुरबारी के प्रति आस्था थी। वह प्रतिदिन ठाकुरबारी जाकर ठाकुर जी का दर्शन करते थे, वहाँ आरती-भजन में भी बैठते थे। उनके मन में महंत के प्रति भी विश्वास था।

(*ii*) **संवेदनशील :** हरिहर काका की दो पत्नियों के मरने के बाद भी उन्हें संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ था। लोगों ने उन्हें तीसरी शादी की सलाह दी थी, परंतु अपने भाइयों के परिवार को ही उन्होंने सब कुछ मान लिया था। लेखक के प्रति भी हरिहर काका की भावना उनकी संवेदनशीलता को दर्शाती है।

(*iii*) **धैर्यवान :** हरिहर काका धैर्यवान व्यक्ति थे। किसी डर के कारण या महंत की बातों में आकर हरिहर काका ने अधीरता नहीं दिखाई। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि जब तक जीऊँगा तब तक ज़मीन किसी को नहीं लिखूँगा।

(*iv*) **दयालु :** हरिहर काका दयालु प्रवृत्ति के इंसान थे इसीलिए दूसरों की गलतियों को जल्दी माफ कर देते थे। छोटे भाइयों की पत्नियों पर गुस्सा करना और फिर उन्हें माफ कर देना ही उनकी दयालुता को दर्शाता है।

(*v*) **जागरूक :** हरिहर काका अनपढ़ थे, परंतु एक जागरूक इंसान थे। भाइयों के परिवारों से मोहभंग के बाद हरिहर काका ने अपनी ज़मीन पर अधिकार जताने लगे। रमेशर की विधवा की हालत देखकर हरिहर काका ने जीवित रहते हुए ज़मीन नहीं लिखने का फैसला लिया। उन्हें दुनियादारी की पूरी समझ थी।

Question 21.

'हरिहर काका' कहानी समाज के किन पहलुओं की ओर ध्यान आकर्षित करती है? क्या आपने भी 'हरिहर काका' जैसे व्यक्ति को अपने आस-पास देखा है? उनकी मदद आप किस प्रकार करेंगे? अपने शब्दों में लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

हरिहर काका कहानी में धार्मिक अंधविश्वास की झलक मिलती है। ये कहानी पारिवारिक रिश्तों की यांत्रिकता व संवेदनहीनता की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है। ये कहानी हमारे टूटते हुए मूल्यों व अनैतिकता का परिचय देती है। पहले तो हरिहर काका को परिवार वालों ने खूब आदर दिया, परंतु बाद में उन्हें बोझ मानकर उनका अपमान किया। हरिहर काका को जान से मारने की भी कोशिश की। इस बात से स्पष्ट हो जाता हैं कि समाज में अब स्वार्थपरता व रिश्तों में संवेदनहीनता बढ़ती जा रही है। इस कहानी में ठाकुरबारी के प्रति लोगों के अंधविश्वास का भी परिचय मिलता है। ठाकुरबारी के संतों-महंतों द्वारा हरिहर काका का अपहरण कर उन्हें मारना-पीटना और ज़बरन उनके अंगूठे का निशान लेना यह स्पष्ट करता है कि साधु-संतों के वेश में अपराधी लोग समाज को गुमराह करते हैं। उन्हें धर्म के नाम पर लूटते हैं, अंधविश्वास फैलाते है। इस कहानी के द्वारा उनकी लालच व स्वार्थ की झलक मिलती है। आजकल समाज में हरिहर काका जैसे लोगों का उदाहरण आसानी से मिल जाता है। आजकल कई बुजुर्ग अकेलेपन के शिकार हो जाते हैं या वृद्ध आश्रमों में उन्हें भेज दिया जाता है। हम पुलिस एवं मिडिया की सहायता लेकर ऐसे लोगों की मदद कर सकते हैं। हम समाज में जागरूकता अभियान चलाकर ऐसे लोगों की सहायता कर सकते हैं।

Question 22.

हरिहर काका के लिए उनकी ज़मीन जी का जंजाल कैसे बन गई?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

हरिहर काका के पास पंद्रह बीघे ज़मीन थी। हरिहर काका की अपनी कोई संतान नहीं थी इसलिए सबकी नज़र हरिहर काका की ज़मीन पर थी। हरिहर काका के तीनों भाइयों एवं उनके परिवार वालों की बुरी नज़र हरिहर काका की ज़मीन पर थी। उन सभी लोगों की लालच की भावना इतनी बढ़ गई थी कि वे सभी हरिहर काका की लम्बी उम्र की दुआ करने के बजाए उनकी मृत्यु की प्रतीक्षा करने लगे। हरिहर काका उन्हें बोझ लगने लगे। अवसर देखकर गाँव के ठाकुरबारी के महंत ने हरिहर काका को बुरी तरह मारा-पीटा और अनेक कागज़ों पर ज़बरन अंगूठे के निशान ले लिए।

इस घटना के दौरान ठाकुरबारी के साधु संतों ने हरिहर काका का अपहरण कर लिया, उनको कमरे में बाँध कर भूखा-प्यासा रखा। उन साधु संतों ने हरिहर काका की ज़मीन को हड़पने के लिए गोलियाँ तक चलाई। बड़ी मुश्किल से हरिहर काका जी जान बची। वे वहाँ से किसी प्रकार छूटकर भाइयों के पास आए। उनके भाइयों की भी कुदृष्टि (बुरीनज़र) काका के हिस्से वाली ज़मीन पर थी। उसी ज़मीन को हथियाने के लिए उनके भाइयों ने हरिहर काका को बहुत मारा-पीटा। यहाँ तक कि उन्हें जान से मारने की कोशिश की और ज़बरदस्ती उनके अंगूठे के निशान अनेक कागज़ों पर ले लिए। यहाँ भी हरिहर काका की जान बाल-बाल बची। इन्हीं कारणों से सारे गाँव में हरिहर काका चर्चा का विषय बन गए थे। गाँव के लोगों की नज़र भी हरिहर काका की ज़मीन पर थी। उपरोक्त कथनों के आधार पर यह स्पष्ट कहा जा सकता है कि उनकी ज़मीन ही उनके जी का जंजाल बन चुकी थी।

Question 23.

हरिहर काका पाठ के माध्यम से लेखक ने संयुक्त परिवारों के बारे में जो कुछ बताया है, क्या आप उससे सहमत है? तर्क दीजिए।

Answer:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

लेखक ने संयुक्त परिवारों का जो स्वरूप प्रकट किया है, वह भी यथार्थ स्थिति को प्रकट करता है। आज समाज में संयुक्त परिवार टूटते जा रहे हैं, मानवीय मूल्य लुप्त होते जा रहे हैं। लोग एकाकीपन में जीने को विवश रहे हैं। अधिकतर लोग अपने स्वार्थ के लिए रिश्ते निभा रहे हैं। आजकल रिश्तों से अधिक स्वार्थ का महत्त्व हो गया है। रिश्तों पर स्वार्थ की भावना हावी होती जा रही है। सच तो यह है कि रिश्ते ही मानवीय मूल्यों की पहचान होते हैं– अपने-पराए की पहचान होती है, परंतु लालच व स्वार्थपरता के कारण लोग रिश्तों के प्रति संवेदनहीन होते जा रहे हैं। हरिहर काका के भाइयों ने जिस प्रकार हरिहर काका के साथ दुर्व्यवहार किया, उनको मारा-पीटा कागज़ों पर ज़बरन हरिहर काका के अंगूठे के निशान लिए, इस बात से टूटते रिश्तों का परिचय मिलता है। हरिहर काका का सदमें में होना, किसी से बात न करना और उदास-परेशान रहना इस बात के सबूत हैं कि संयुक्त परिवार टूटते जा रहे हैं, संवेदनशीलता समाप्त होती जा रही है और लोग अकेले जीवन जीने के लिए मज़बूर हो रहे हैं।

Question 24.

'हरिहर काका वृद्धों के प्रति संवदेनहीन होते समाज की कथा है।' वृद्धों के प्रति होने वाले अत्याचारों को रोकने के लिए आप क्या कदम उठाएँगे?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

'हरिहर काका जैसे वृद्धों के प्रति संवेदनहीन होते समाज की कथा है।" लेखक मिथिलेश्वर ने प्राचीन समय के समाज में वृद्धों के प्रति हो रहे घोर प्रताड़नाएँ व अत्याचारों को अपनी कहानी के नायक हरिहर काका के माध्यम से दर्शाया हैं। वृद्धों को सतानें उन्हें विभिन्न प्रकार की प्रताड़नाएँ देने का सिलसिला आज तक जारी है। कहीं आर्थिक तंगी के कारण वृद्धों से घृणा व तिरस्कार तथा निरादर किया जा रहा है, तो कहीं धन के लोभी लोगों द्वारा वृद्धों की धन-संपत्ति हड़पने या कब्जा अथवा अपने नाम कराने के चक्कर में उनको आए दिन सताया जा रहा है और वर्तमान में हाल यह है कि अपना ही सगा बेटा धन के चक्कर में अपने बाप की गोली मारकर हत्या कर देता तो कुछ बेटे वृद्धाश्रम में छोड़ आते हैं। वृद्धों के प्रति होने वाले अत्याचारों को रोकने के लिए सजीव आंदोलन चलाएँगे। जिनमें कुछ स्वयं सेवक घर-घर जाकर वृद्धों के हाल-चाल पूछेंगे, उनकी दबा-दारू आदि का प्रबंध करवाएँगे। कोई बुरी ख़बर मिलने हम फ़ौरन "सीनियर सिटीजन सेल" को सूचित करेंगे और बुरा व्यवहार करने वाले को पुलिस के हवाले करेंगे। यह आंदोलन गाँव से लेकर बड़े-बड़े शहरों व पूरे देश में चलाया जाएगा। इस काम के लिए कुछ सूचनाएँ आकाशवाणी से प्रसारित करवाएँगे। डाकूमेंटरी और फ़ीचर फ़िल्में भी लोगों को दिखाएँगें। कुछ स्लोगन भी प्रसारित किए जाएँगे। कुछ ज़मीन-जायदाद उनकी संतानों व चहाने वालों को देकर, कुछ ज़मीन वृद्ध के लिए छोड़ दी जाएगी। जिसकी देखभाल सरकार करेगी और मरने पर सरकार को चली जाएगी क्योंकि वृद्ध ने इस देश की हवा, पानी, धरती माता का अन्न खाया है इसलिए बाकी संपत्ति देश सेवा में काम जाएगी।

2011
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 25.

"अपने भी पराये बन जाते हैं– संपत्ति के लिए" हरिहर काका कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए।

Answer:

हरिहर काका कहानी के आधार पर यह तथ्य बिलकुल सही है कि संपत्ति के लिए अपने भी पराये बन जाते हैं। हरिहर काका की पंद्रह बीघे ज़मीन के कारण गाँव की ठाकुरबारी के महंत व साँधु संत ही नहीं, बल्कि हरिहर काका के सगे भाई-भावज भी उनके साथ दुर्व्यवहार करने लगे। एक रात उनके भाई, हथियार लेकर उनके सामने खड़े हो गए। जायदाद के लिए उन्होंने काका को डराया, धमकाया, यहाँ तक कि हाथापाई पर भी उतर आए। उन्होंने काका के हाथ मज़बूती से पकड़ लिए तथा उनके विरोध करने पर अब वे काका पर प्रहार भी करने लगे थे। काका के चिल्लाने पर उन्होंने उनके मुँह में कपड़ा भी ठूँस दिया। इस प्रकार हम देखते हैं कि हरिहर काका को अपने ही लोगों से ठेस पहुँची।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 26.

हरिहर काका के परिवार वालों का बदलता व्यवहार आपको क्या सोचने के लिए विवश करता है? कहानी के आधार पर बताएँ।

Answer:

हरिहर काका के परिवार वालों का बदलता व्यवहार समाज की संवेदनहीनता एवम् स्वार्थपरता का परिचय देता है। आधुनिक समाज में रिश्तों का महत्त्व बहुत कम हो गया है। लोगों के मन में धन के प्रति लालच की भावना बढ़ गई है। हमारे चारों तरफ़ अविश्वास का वातावरण बढ़ रहा है। इसलिए हमें सावधान रहने की आवश्यकता है। हरिहर काका की भाँति रह रहे बड़े बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता होने की आवश्यकता है।

Question 27.

उम्र का फासला भी आत्मीय संबंधों के बीच बाधा नहीं बनता– कथावाचक और हरिहर काका के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

Answer:

कथावाचक और हरिहर काका के बीच बड़े ही मधुर व आत्मीय संबंध थे। हरिहर काका के प्रति कथावाचक की दोस्ती और कथावाचक के प्रति हरिहर काका का अनन्य प्रेम यह स्पष्ट कर देता है कि उम्र का फासला आत्मीय संबंधों के बीच बाधा नहीं बन सकता। हरिहर काका लेखक को (जब वह छोटा था) अपने कंधों पर बैठा कर घुमाते थे। वे दोनों आपस में खुल कर बातें करते थे।

Question 28.

हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

हरिहर काका को महंत और अपने भाई दोनों एक ही श्रेणी के लगने लगे थे क्योंकि दोनों ही उनकी पद्रंह बीघे ज़मीन हड़पना चाहते थे। महंत ठाकुरबारी के नाम पर ज़मीन हथियाना चाहता था तो दूसरी ओर भाई अपने खून के रिश्ते की दुहाई देकर ज़मीन अपने नाम करवाना चाहते थे। दोनों ने ही ज़मीन पाने के लालच में हरिहर काका का आदर-सत्कार किया पर ज़मीन मिलती न देखकर दोनों ही उन्हें मानसिक और शारीरिक यातनाएँ तक देने को तैयार हो गए। महंत ने ज़मीन के लालच में न केवल हरिहर काका का अपहरण करवाया, वरन् उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया। उनके हाथ-पैर बाँधकर जबरन, कागज़ों पर अँगूठे के निशान लिए। इस काम में उनके सगे भाई भी पीछे न थे। उन्होंने भी हरिहर काका पर अनेक जुल्म-अत्याचार किए। उन्हें खूब मारा-पीटा। कागज़ों पर अँगूठे के निशान न लगाने की स्थिति में उन्होंने उन्हें जान से मारने की धमकी तक दे डाली। इस प्रकार महंत और काका के भाई दोनों का उनसे नहीं, बल्कि उनकी जायदाद से प्यार था।

Question 29.

हरिहर काका गूँगेपन का शिकार क्यों हो गये थे?

Answer:

हरिहर काका गूँगेपन का शिकार इसलिए हो गए थे क्योंकि जिन लोगों पर उन्हें अटूट विश्वास था, जिन लोगों से वे प्रेम करते थे, उन सभी लोगों ने हरिहर काका के साथ विश्वासघात किया था। हरिहार काका इस बात से सदमें में थे। जिन भाइयों से वे अपने बच्चों की तरह प्यार करते थे आज वही भाई हरिहर काका के खून के प्यासे हो गए थे। जिस ठाकुरबारी और महंत के प्रति हरिहर काका के मन में असीम श्रद्धा और आदर की भावना थी उसी महंत ने हरिहर काका को जान से मारने का प्रयास किया। महज़ 15 बीघे ज़मीन को हड़पने के लिए हरिहर के आसपास के लोग अचानक शैतान नज़र आने लगे। इसी लालच में आकर सभी लोगों ने हरिहर काका के साथ दुर्व्यवहार किया। इन्हीं कारणों से हरिहर काका उदास व चुप रहने लगे।

Question 30.

हरिहर काका ने सम्पत्ति से संबंधित क्या निर्णय लिया और क्यों?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

हरिहर काका ने संपत्ति से संबधिंत यह निर्णय लिया कि जीते जी वे अपनी संपत्ति किसी के नाम नहीं करेंगे। महंत जी के दुर्व्यवहार के कारण अब हरिहर काका एक सीधे-सादे और भोले किसान की अपेक्षा चतुर और ज्ञानी हो चले थे। उन्हें यह बात समझ में आ गई थी कि उनके भाई अचानक उनको जो आदर सम्मान देने लगे हैं उसकी वजह उनकी जायदाद है। रमेसर की विधवा की दुर्गति का उदाहरण भी उनके सामने था। इसलिए अब वे किसी की चिकनी-चुपड़ी बातों में नहीं आना चाहते थे।

Question 31.

'यह कहानी अंध भक्ति और ठाकुरबारी के चरित्र को उजागर करती है' सोदाहरण स्पष्ट करें।

Answer:

लोग ठाकुरबारी के प्रति मान्यता रखते थे कि उनकी कृपा से ही लोगों को पुत्र की प्राप्ति होगी, मुकद्दमों में जीत होगी, अच्छी फ़सल होगी, लड़की की शादी अच्छे घर में होगी, लड़कों को नौकरी मिलेगी आदि अंधविश्वासों से लोग भरे हुए थे। उनका मानना था कि ठाकुरबारी में प्रवेश करते ही उनके सारे पाप धुल जाते हैं और वे पवित्र हो जाते हैं। जबकि सत्य यह था कि ठाकुरबारी के साधु-संत कोई काम-धाम नहीं करते थे, दोनों जून हलवा पूड़ी खाते थे, दिन भर बातें बनाते थे और आराम से पड़े रहते थे।

2010
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 32.

हरिहर काका की नज़र में महंत कब घृणित और दुराचारी नज़र आने लगा?

Answer:

हरिहर काका गाँव के एक प्रतिष्ठित बुज़ुर्ग थे। उनके पास पंद्रह बीघे खेत थे। उनकी अपनी कोई संतान नहीं थी। इसी कारण उनके तीनों भाई तथा ठाकुर बारी के महंत उनकी ज़मीन को हड़पने के लिए गिद्ध दृष्टि लगाए बैठे थे। हरिहर काका द्वारा अपने जीते-जी किसी के नाम अपनी ज़मीन न लिखने के निर्णय ने महंत को विचलित कर दिया। महंत ने उनका अपहरण करवाकर ज़बरदस्ती ज़मीनी कागज़ातों पर उनके अँगूठे के निशान लगवा लिए तथा उन्हें नरकीय यातनाएँ दीं। महंत के इस कुकृत्य के कारण हरिहर काका को वह घृणित और दुराचारी नज़र आने लगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

निबंधात्मक प्रश्न

Question 33.

गाँव के लोग ठाकुरबारी के प्रति भक्तिभावना से भरे थे। इस तथ्य को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Answer:

गाँव के लोग ठाकुरबारी के प्रति भक्ति भावना से भरे थे, इसी कारण वे अपने सभी कामों की सफलता का श्रेय ठाकुर जी को देते थे। पुत्र जन्म पर, मुकद्दमें में जीत पर, लड़की की शादी अच्छे घर में तय होने पर, लड़के को नौकरी मिलने पर। वे खुले मन से रुपये, जेवर, अनाज चढ़ाकर अपनी श्रद्धा व्यक्त करते थे। गाँव के अधिकांश लोगों का विश्वास था कि यदि उनके घर अच्छी फ़सल हुई है तो ठाकुर जी की कृपा से। गाँव में किसी भी पर्व-त्योहार की शुरुआत भी वे ठाकुरबारी से ही करते थे। ठाकुरबारी में अपार श्रद्धा भावना के कारण ही वे मानते थे कि वहाँ जाते ही उनके सारे पाप धुल जाते हैं और वे पवित्र हो जाते हैं।

Question 34.

'गाँव की चर्चाओं के केंद्र हैं हरिहर काका,' हरिहर काका के बारे में ऐसी किन्हीं चार चर्चाओं/ख़बरों का उल्लेख कीजिए।

गाँव की चर्चाओं के केंद्र हैं– 'हरिहर काका', हरिहर काका के विषय में अनेक भयावह एवं रहस्यात्मक ख़बरें फैल रही थीं–

- एक ख़बर आई कि महंत और काका के भाइयों को अफ़सोस था कि अँगूठे के निशान लेने के बाद उन्होंने मार क्यों नहीं दिया।
- दूसरी ख़बर आई कि हरिहर काका मरेंगे, तो उन्हें अग्नि प्रदान करने के लिए ठाकुरबारी के साधु-संतों और काका के भाइयों के बीच लड़ाई होगी। लाश हस्तगत करने के लिए खून की नदियाँ बहेंगी।
- एक तीसरी ख़बर आई कि काका के बाद उनकी ज़मीन पर कब्ज़ा करने के लिए भाइयों ने मशहूर डाकू बुटन सिंह से बातचीत पक्की कर ली है। वह पाँच बीघे-ज़मीन लेकर शेष ज़मीन पर भाइयों का कब्ज़ा करवा देगा।
- एक चौथी ख़बर आई कि महंत ने निर्णय लिया है कि हरिहर की मृत्यु के बाद देश के कोने-कोने से साधुओं और नागाओं को बुलाएँगे।

इस प्रकार पूरे गाँव का आकाश हरिहर काका की ख़बरों से आच्छादित हो गया था। गाँव पर आतंक का माहौल गहराता जा रहा था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2009
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 35.

हरिहर काका के ठाकुरबारी में चले जाने पर उनके भाईयों ने क्या किया?

हरिहर काका के ठाकुरबारी में चले जाने पर उनके भाइयों ने खलिहान से आने पर जब सारी घटनाक्रम को सुना, तो वे पहले अपनी पत्नियों पर खूब बरसे फिर एक ज़गह बैठकर चिंतामग्न हो गए और उनका मन शंकालु और बेचैन हो गया था कि कहीं ठाकुरबारी के महंत बहला-फुसलाकर उनकी पंद्रह बीघे ज़मीन को ठाकुरबारी के नाम वसीयत में लिखवा न लें। इसी वजह से शाम होते-होते वे तीनों भाई ठाकुरबारी पहुँचे। तीनों भाई उन्हें घर लाने के लिए ज़िद करने लगे, तब वहाँ के साधु-संत व अन्य लोगों के समझाने पर उन्हें निराश होकर खाली हाथ घर वापस आना पड़ा। सुबह जाकर उन्हें घर वापस ले आए। घर वापस आने पर हरिहर काका की एक मेहमान से भी ज़्यादा खातिर-तवाजो की गई।

Question 36.

अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ कैसे रखते थे?

Answer:

अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते थे क्योंकि उन्होंने अपने सामने आँखों से देख लिया था कि अपनी ज़मीन लिख देने से रमेसर की विधवा घुट-घुटकर मर गई थी। वह अपनी ज़मीन इसीलिए किसी के नाम लिखना नहीं चाहते थे। उन्होंने अपने भाइयों में आए बदलाव को भी समझ लिया था और निश्चय कर लिया कि अपने जीते-जी किसी को ज़मीन नहीं लिखेंगे। अपने भाइयों को समसा दिया कि जब मैं मर जाऊँगा, तो मेरी ज़मीन अपने-आप तुम्हें मिल ही जाएगी। इसीलिए मुझसे लिखवाने की ज़रूरत तुम्हें नहीं होने चाहिए।

Question 37.

ठाकुरबारी के विकास के क्या कारण थे? 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

ठाकुरबारी के विकास के कई कारण थे, जैसे-लोगों में ठाकुर जी के प्रति अटूट विश्वास। वे मनौती मनाते कि पुत्र हो, मुदद्दमे में विजय हो, लड़की की शादी अच्छे घर में तय हो, लड़के को नौकरी मिल जाए। जिन लोगों को सफलता मिलती वे खुशी में ठाकुरजी पर रुपए, जेवर, अनाज चढ़ाते। अधिक खुशी में आकर ठाकुरजी के नाम अपना खेत लिख देते। यह परंपरा आज तक जारी है। लोगों के इसी विश्वास के कारण गाँव की अन्य चीज़ों की तुलना में ठाकुरबारी का विकास हज़ार गुना अधिक हुआ। और अब तो वह गाँव ठाकुरबारी के नाम से पहचाना जाने लगा। यह एक विशाल ठाकुरबारी बन गई। ऐसी ठाकुरबारी पूरे इलाके में दूर-दूर तक कहीं सुनाई नहीं देती।

Question 38.

हरिहर काका के प्रति लेखक की आसक्ति के क्या कारण थे?

Answer:

हरिहर काका के प्रति लेखक की आसक्ति के कारण थे कि दोनों ही एक ही गाँव के रहने वाले थे। दोनों ही पड़ोसी थे। दोनों के बीच व्यावहारिक और वैचारिक संबंध थे। बचपन में हरिहर काका ने लेखक को बहुत दुलार किया था। वह लेखक को अपने कंधे पर बैठाकर घुमाया करते थे। वह एक पिता से अधिक उसे प्यार करते थे। लेखक के सयाने होने पर उसकी पहली दोस्ती हरिहर काका के साथ हुई। दोनों के बीच काफ़ी गहरी दोस्ती थी। कुछ भी एक दूसरे से छिपाते नहीं थे।

Question 39.

भाइयों की किन बातों से हरिहर काका का दिल पसीज गया और वे ठाकुरबारी से घर लौट आए?

Answer:

ठाकुरबारी में एक सुंदर कमरे में एक सुंदर पलंग पर बैठे हरिहर काका सेवकों से घिरे हुए थे। उसी समय सुबह तड़के ही तीनों भाई ठाकुरबारी जाकर हरिहर काका के पैर पकड़कर रोने लगे। अपनी पत्नियों की गलती के लिए माफ़ी माँगी तथा दंड देने की बात कही। साथ ही खून के रिश्ते की भी माया फैलाई, जिससे हरिहर काका का दिल पसीज गया और वे ठाकुरबारी से घर लौट आए।

Question 40.

ठाकुरबारी की देखरेख के लिए क्या व्यवस्था थी? 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

ठाकुरबारी की देख-रेख के लिए व्यवस्था थी कि इसके खर्च के लिए बीस बीघे खेतीहर ज़मीन थी। धार्मिक लोगों की एक समिति थी, तो ठाकुरबारी की देखरेख और संचालन के लिए प्रत्येक तीन साल पर एक महंत और एक पुजारी की नियुक्ति करती थी। हर बार फ़सल आने पर पहले ठाकुरबारी में जमा कर दी जाती थी।

Question 41.

तीसरी शादी करने से हरिहर काका ने क्यों मना कर दिया?

Answer:

तीसरी शादी करने से हरिहर काका ने मना कर दिया क्योंकि उनकी उम्र धीरे-धीरे ढल रही थी तथा धार्मिक संस्कारों की वजह से भाईयों का परिवार अपना ही परिवार मान लिया था। वह इत्मीनान और प्रेम से अपने भाइयों के परिवार के साथ ही रहना चाहते थे। उनके भाई और भाईयों की पत्नियाँ भी हरिहर काका की खूब देखभाल करने लगीं थीं।

Question 42.

ठाकुरबारी की स्थापना के बारे में गाँव में क्या कहानी प्रचलित थी?

Answer:

ठाकुरबारी की स्थापना के बारे में यह कहानी प्रचलित थी कि वर्षों पहले जब गाँव पूरी तरह से बसा भी नहीं था, तब कहीं से एक संत आकर इसी स्थान पर झौपड़ी बनाकर रहने लगे थे। वह सुबह-शाम ठाकुर जी की पूजा करते और लोगों से माँगकर खा लेते थे तथा लोगों में पूजा-पाठ की भावना जाग्रत करते थे। कुछ दिनों के बाद लोगों ने चंदा करके ठाकुरजी का एक छोटा-सा मंदिर बनवा दिया। फिर धीरे-धीरे

गाँव बसता गया और आबादी बढ़ती गई, मंदिर में भी विस्तार होता गया। कई लोगों ने अपनी श्रद्धा और विश्वास के कारण, रुपया, जेवर, अनाज चढ़ाया तो किसी ने अपनी एक-दो बीघा खेतीहर ज़मीन ठाकुरजी को लिख दी। आज तक यह परंपरा जारी है, अब यह एक विशाल ठाकुरवारी है। अब इस गाँव की पहिचान ठाकुरबारी से ही होती है।

Question 43.

गाँव में ठाकरबारी से ही पर्व-त्योहार की शुरूआत क्यों होती थी?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

ठाकुरबारी के महंत, पुजारी व साधु-संतों ने गाँव के सभी लोगों व पास-पड़ोस के सभी लोगों के दिलो-दिमाग में धार्मिक भक्ति-भावना कूट-कूट कर भर दी थी कि ठाकुरबारी में प्रवेश करते ही लोग अपने को पवित्र मानते थे तथा सभी पापों से मुक्त मानते थे। इसीलिए अंधविश्वास के कारण हर पर्व-त्योहार की शुरुआत ठाकुरबारी से होती थी। होली पर गुलाल चढ़ाना, दीवाली का पहला दीपक जलाना। जन्म, शादी व जनेऊ के अवसर पर भी अन्न-वस्त्र की पहली भेंट ठाकुरजी के नाम जाती है।

Question 44.

ठाकुरबारी का लोगों के प्रति क्या दायित्व था?

Answer:

ठाकुरबारी का लोगों के प्रति यह दायित्व था कि वह लोगों के अंदर पूजा-पाठ, भक्ति-भावना पैदा करना तथा धर्म से विमुख हो रहे लोगों को रास्ते पर लाना है। गाँव जब भी बाढ़ या सूखे की चपेट में आ जाता था तो ठाकुरबारी के अहाते में तंबू लगा देना आदि। लोग कृषि-कार्य से बचा अपना समय ठाकुरबारी में ही बिताते थे।

Question 45.

हरिहर काका ने खाने की थाली बीच आँगन में क्यों फेंक दी?

Answer:

हरिहर काका ने अपनी खाने से भरी थाली बीच आँगन में फेंक दी थी क्योंकि उन्हें, उनके छोटे भाई की पत्नी ने रूखा-सूखा खाना लाकर परोस दिया जिसमें केवल भात, मट्ठा और आचार था, जबकि उसने अपने पति को सुंदर-सुंदर व्यंजन खाने को दिए थे। यह देखते ही हरिहर काका के बदन में आग लग गई और क्रोध से भर गए थे।

Question 46.

गाँव के नेता जी ने हरिहर काका के समक्ष क्या प्रस्ताव रखा?

Answer:

गाँव के नेता जी ने हरिहर काका के समक्ष यह प्रस्ताव रखा कि तुम्हारी ज़मीन में "हरिहर उच्च विद्यालय" नाम से एक हाईस्कूल खोल दिया जाएगा। इससे तुम्हारा नाम अमर हो जाएगा। तुम्हारी ज़मीन का सही उपयोग होगा और गाँव के विकास के लिए गाँव को एक स्कूल मिल जाएगा।

Question 47.

ठाकुरबारी से घर लौटने पर हरिहर काका के प्रति घर वालों का व्यवहार क्यों बदल गया?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

ठाकुरबारी से घर लौटने पर हरिहर काका के प्रति घरवालों का व्यवहार बदल गया क्योंकि उनके भाई उनकी जायदाद लेना चाहते थे इसलिए उनके भाई काका का अचानक आदर-सम्मान और सुरक्षा-प्रदान करने लगे थे। हरिहर काका को अब दालान में नहीं, बल्कि एक बहुमूल्य वस्तु की तरह सँजोकर, छिपाकर घर के अंदर रखा गया था। उनकी सुरक्षा के लिए अपने रिश्तेदारों के यहाँ से अनेक सूरमाओं को बुला लिया गया। हथियार जुटा लिए गए थे। चौबीसों घंटे पहरे दिए जाने लगे थे क्योंकि उन्हें डर था कि किसी भी समय ठाकुरबारी के लोग हमला करके हरिहर काका को उठा न ले जाएँ। अगर किसी आवश्यक काम से हरिहर काका घर से बाहर गाँव में निकलते तो चार-पाँच लोग हथियारों से लैसे होकर उनके आगे-पीछे चलते। रात में चारों तरफ़ से घेरकर सोते। भाइयों ने ड्यूटी बाँट ली थीं। आधे लोग सोते तो आधे लोग जागकर पहरा देते रहते थे। रिश्ते-नाते के लोग उनको समझाने भी लगे थे कि अपनी ज़मीन अपने भतीजों के नाम लिख दें।

Question 48.

"दरअसल, बहुत सारी बातें ऐसी होती हैं, जिनकी जानकारी बिना बताए ही लोगों को मिल जाती है।" इस कथन के पक्ष या विपक्ष में एक तर्क 'हरिहर काका' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

Answer:

"दरअसल, बहुत सारी बातें ऐसी होती हैं, जिनकी जानकारी बिना बताए ही लोगों को मिल जाती है।" यह बात शत-प्रतिशत सही है क्योंकि इसके संबंध में दो कहावतें प्रचलित हैं। एक तो यह कि 'दीवारों के भी कान होते हैं'' और दूसरी कहावत यह है कि 'नेकी नौ कोस, बदी सौ कोस'' अर्थात् हरिहर काका के पास पंद्रह बीघे ज़मीन का होना जिस पर दोनों ही पक्ष यानी इनके भाई और ठाकुरबारी का महंत, अपनी-अपनी गिद्ध दृष्टि जमाए हुए थे तथा अपने-अपने ढंग से हरिहर काका को लुभाकर उनकी ज़मीन अपने-अपने नाम कराना चाहते थे। इसीलिए ठाकुरबारी के महंत की ख़ातिर-तवाजों व भाइयों की ख़ातिर-तवाजो की भनक गाँव वालों को मिल गई थी।

Question 49.

ठाकुरबारी के साधु-संतों का कौन-सा आचरण लेखक के मन में उनके प्रति घृणा उत्पन्न कर रहा था?

Answer:

ठाकुरबारी में अपना मन बहलाने के लिए फालतू समय काटने के लिए हरिहर काका व लेखक भी जाते थे। परंतु साधु-संतों का आचरण लेखक के मन में उनके प्रति घृणा उत्पन्न कर रहा था क्योंकि साधु-संतों को काम-धाम करने में कोई रुचि नहीं थी। ठाकुरजी को भोग लगाने के नाम पर दोनों जून हलवा-पूरी खाते हैं और आराम से पड़े रहते हैं। उन्हें अगर कुछ आता है, तो सिर्फ़ बाते बनाना आता था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

निबंधात्मक प्रश्न

Question 50.

ठाकुरबारी के नाम ज़मीन वसीयत करने की बात कहने में महंत जी ने हरिहर काका को क्या-क्या लालच दिए?

Answer:

ठाकुरजी के नाम ज़मीन वसीयत करने की बात कहने में मंहत जी ने हरिहर काका को निम्न प्रकार के लालच दिए, जैसे–

(*i*) ठाकुर जी के नाम ज़मीन वसीयत करने से सीधे बैकुंठ जाओगे।
(*ii*) तीनों लोक में तुम्हारी कीर्ति जगमगाएगी।
(*iii*) जब तक सूरज-चाँद रहेंगे, तब तक लोग तुम्हें याद करेंगे।
(*iv*) यह तुम्हारा महादान होगा।
(*v*) साधु-संत तुम्हारे पैर धोएँगे।
(*vi*) सभी तुम्हारा यशोगान करेंगे।
(*vii*) तुम्हारा यह जीवन सार्थक हो जाएगा।
(*viii*) तुम अपनी शेष जिंदगी इसी ठाकुरबारी में गुजारना।
(*ix*) तुम्हें किसी चीज़ की कमी न होगी,
(*x*) एक मागोगे तो चार हाज़िर की जाएँगी।
(*xi*) हम तुम्हें सिर-आँखों पर बिठाकर रखेंगे।
(*xii*) ठाकुरजी के साथ-साथ तुम्हारी भी आरती उतारी जाएगी।
(*xiii*) तुम एक भर दोगे, तो ईश्वर तुम्हें दस भर देगा
(*xiv*) तुम्हारे लोक और परलोक दोनों ही बन जाएँगे।

Question 51.

ठाकुरबारी में हरिहर काका की सेवा के लिए क्या-क्या व्यवस्था की गई?

Answer:

ठाकुरबारी में हरिहर काका की सेवा के लिए निम्न व्यवस्था की गई, जैसे–

(*i*) साफ़ कमरे में साफ़ बिस्तर लगे पलंग पर सेवकों ने हरिहर काका को लिटा दिया,
(*ii*) उनके लिए विशेष भोजन तैयार किया गया।
(*iii*) हरिहर काका को भोग लगाने के लिए मिष्ठान और व्यंजन आए, जैसे–घी टपकते मालपुए, रस बुनिया, लड्डू, छेने की तरकारी दही, खीर आदि।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 52.

महंत ने हरिहर काका से ज़मीन वसीयत होते न देख क्या उपाय सोचा?

Answer:

महंत ने हरिहर काका से ज़मीन वसीयत होते न देख यह उपाय सोचा कि जहाँ-कहीं एकांत पाते वे हरिहर काका से कह उठते कि "बिलंब न करो हरिहर। शुभ काम में देर नहीं करते। चलकर ठाकुरजी ने नाम वसीयत कर दो हरिहर काका तैयार नहीं हुए, तो महंत ने उनका अपहरण करने की योजना बनाई जिससे ज़बरदस्ती उनसे लिखवा लिया जाए। अतः यह काम करने के लिए महंत ने आधी रात को अपने दबंग आदमियों से अपहरण करवा लिया।

Question 53.

समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Answer:

समाज में रिश्तों की अहमियत तो बहुत है क्योंकि सब लोग आपसी दुख-दर्द में शामिल हो जाते हैं। किसी भी बात का अभाव या चिंता नहीं रहती है। रिश्ते चाहें सगे हों या दूर के, इसीलिए रिश्ते बनाए जाते हैं। यह सिलसिला सदियों से चला आ रहा है। मगर इन सभी रिश्तों का आधार धन और ज़मीन-जायदाद है। यह माया जब तक हमारे पास हैं, तभी तक सभी हमारी आव-भागत, खैर-ख़बर रखते हैं। धन के न होने पर कोई भी हमारी खैर-ख़बर के लिए हमारे पास नहीं आता है। चाहें वह हमारे सगे खून के रिश्ते में बेटा ही क्यों न हो। इसीलिए तो कहा गया है कि बाप बड़ा न भइया, सबसे बड़ा रूपया।'

Question 54.

हरिहर काका के बारे में गाँव वालों की क्या राय थी? इसके क्या कारण थे?

Answer:

हरिहर काका के बारे में गाँव वालों की राय थी कि हरिहर काका अब बूढ़े हो चले हैं। बुढ़ापे में उनकी देख-रेख कौन करेगा? अतः हरिहर काका को लेकर गाँव में दो वर्ग बन गए। एक वर्ग के लोग जो पारिवारिक संस्कारों में बँधे हुए थे। उनका कहना था कि हरिहर काका को अपनी ज़मीन अपने भाइयों के नाम लिख देनी चाहिए क्योंकि मरने पर वे ही तो मुखाग्नि देंगे। दूसरे वर्ग के लोग जो धार्मिक विचारों के थे तथा साथ ही किसी-न-किसी रूप में ठाकुरबारी से जुड़े थे। वास्तव में इस वर्ग के कुछ लोग पेटू और चटोरे किस्म के थे जो ठाकुरबारी में जाकर इकट्ठे हो जाते हैं और साधु-संतों के साथ बैठकर हलवा-पूरी खाते हैं। ऐसे ही लोगों का कहना है कि हरिहर काका को अपनी ज़मीन ठाकुरबारी के नाम लिख देनी चाहिए। तब यह ठाकुरबारी इलाके में ही नहीं, अपितु पूरे राज्य में अतुलनीय होगी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 55.

हरिहर काका ने अपने भाइयों को ठाकुरबारी के महंत पुजारी से तनिक भी कम नहीं माना। क्यों? स्पष्ट कीजिए।

Answer:

हरिहर काका ने अपने भाइयों को ठाकुरबारी के महंत, पुजारी से तनिक भी कम नहीं माना क्योंकि दोनों का उद्देश्य एक ही था और दोनों ने ही उनकी ज़मीन हथियाने के लिए एक समान ही कुकर्म किए थे। एक ने ज़बरदस्ती कागज पर अँगूठा निशान लेकर और हाथ-पाँव बाँधकर मुँह में कपड़ा ठूँसकर एक कमरें में बंद कर दिया था तथा बाहर से ताला लगा दिया था। जबकि भाइयों ने उन्हें खूब मारा-पीटा। उन्होंने उनकी दुर्गति करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी थी। अचानक गिरकर बेहोश हो गए और ज़ख्म के निशान उभर आए थे।

Question 56.

"लोगों की ज़ुबान से घटनाओं की ज़ुबान ज़्यादा पैनी और असरदार होती है।" 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Answer:

"लोगों की ज़ुबान से घटनाओं की ज़ुबान ज़्यादा पैनी और असरदार होती हैं।" यह बात सही है क्योंकि ठाकुरबारी के महंत द्वारा हरिहर काका को प्रताड़ना देने की अपेक्षाकृति उनके भाइयों ने अधिक प्रताड़ित किया था। जिससे हरिहर काका की पीठ, माथे और पाँव पर कई ज़ख्म उभर आए थे। कुछ दिनों के बाद हरिहर काका गूँगेपन के शिकार हो गए थे। ये घटनाएँ तेज़ी से चारों तरफ़ फैल गईं और लोग जितने मुँह उतनी बातें तरह-तरह की करने लगे। लोग आशंकाएँ भी करने लगे कि उनके मरने के बाद उनकी लाश को हस्तगत करने के लिए खून की नदियाँ बहेंगी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 57.

हरिहर काका महंत की चिकनी-चुपड़ी बातों के भीतर की कौन-सी सच्चाई किस प्रकार जान गए थे?

Answer:

हरिहर काका प्रथम बार जब ठाकुरबारी से वापस अपने घर आ गए और अपने भाइयों के साथ रहने लगे तब महंत हरिहर काका से यहीं कहते कि 'बिलंब न करो हरिहर। शुभ काम में देर नहीं करते। चलकर ठाकुरजी के नाम अपनी ज़मीन लिख दो। फिर पूरी जिंदगी ठाकुरबारी में राज करो। मरोगे तो तुम्हारी आत्मा को ले जाने के लिए स्वर्ग से विमान आएगा। तुम देवलोक को प्राप्त करोगे.....।'' आदि-आदि महंत की चिकनी-चुपड़ी बातों के भीतर की सच्चाई हरिहर काका जान गए थे कि महंत जी मेरी ज़मीन हड़पना चाहते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in